vinetur

फ्रांसीसी वाइन उत्पादकों ने 70% अंगूर-बागों को जलवायु क्षति से बचाने के लिए €4 अरब मांगे

समूह का कहना है कि ओलावृष्टि, पाले और सूखे के नुकसान पर बार-बार सरकारी मुआवजा देने के मुकाबले रोकथाम सस्ती पड़ेगी।

सोमवार, 5 अक्टूबर 2026



फ्रांस के स्वतंत्र वाइन उत्पादक सरकार से €4 अरब की निवेश योजना का समर्थन करने की मांग कर रहे हैं। इसका उद्देश्य देश के अधिकांश अंगूर-बागों को ओलावृष्टि, पाले और सूखे से बचाना है। उनका तर्क है कि सार्वजनिक धन का इस्तेमाल नुकसान के बाद मुआवजा देने के बजाय जलवायु संबंधी क्षति रोकने पर अधिक होना चाहिए।

यह प्रस्ताव सोमवार को स्वतंत्र वाइन उत्पादकों के राष्ट्रीय समूह Vignerons Indépendants ने फ्रांसीसी व्यापारिक प्रकाशन Réussir Vigne में प्रकाशित टिप्पणियों में रखा। समूह के अध्यक्ष Jean-Marie Fabre ने कहा कि लक्ष्य पांच साल में फ्रांस के 70% अंगूर-बागों को भौतिक सुरक्षा देना होगा, जिस पर प्रति हेक्टेयर अनुमानित €10,000 खर्च आएगा।

Fabre ने कहा कि मौसम से जुड़े झटके अब उत्पादकों के लिए कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गए हैं। Réussir Vigne के मुताबिक, उन्होंने कहा, “आज ऐसा साल अपवाद है जिसमें जलवायु संबंधी खतरे न हों।” उनका तर्क था कि जलवायु व्यवधान बढ़ने के साथ फ्रांस को फसल को नुकसान पहुंचने के बाद आपात सहायता पर मुख्य रूप से निर्भर रहने

के बजाय खेतों में सुरक्षा प्रणालियां लगाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उत्पादकों की योजना ऐसे वाइन उद्योग के लिए नीतिगत दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव होगी, जिसे देर से पड़ने वाले पाले, ओलावृष्टि और लंबे सूखे के कारण बार-बार नुकसान हुआ है। प्रस्ताव के तहत, धन का एक हिस्सा ग्रामीण विकास के लिए यूरोपीय कृषि कोष (Feader) से आएगा, जिससे समूह के मुताबिक €2 अरब मिल सकते हैं। क्षेत्रीय सरकारें €1 अरब और देंगी, जबकि फ्रांसीसी सरकार को पांच साल तक हर साल €200 मिलियन, यानी कुल €1 अरब, देना होगा।

Fabre ने शुरुआती बड़ी लागत के बावजूद इस प्रस्ताव को दीर्घकाल में खर्च बचाने वाला उपाय बताया। उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी सरकार पिछले तीन वर्षों में मुआवजे के तौर पर पहले ही €2 अरब दे चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि अंगूर-बागों में 10% नुकसान से कर राजस्व को €610 मिलियन का झटका लगता है। इस तरह उन्होंने फसल के नुकसान को न केवल कृषि आय, बल्कि सार्वजनिक वित्त से भी जोड़ा।

समूह का यह तर्क फ्रांसीसी अंगूर की खेती के लिए संवेदनशील समय पर सामने आया है। कई क्षेत्रों के उत्पादक कमजोर खपत, बाजार में असंतुलन और मुनाफे पर दबाव से जूझ रहे हैं, जबकि चरम मौसम के कारण फसल के नतीजों का अनुमान लगाना और कठिन हो गया है। ऐसे हालात में उत्पादक नीतिगत बहस को संकट प्रबंधन से हटाकर सुरक्षा उपकरणों और बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत खर्च की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

Réussir Vigne की संबंधित रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि किन सुरक्षा प्रणालियों के लिए धन दिया जाएगा, लेकिन समूह की भाषा से ओलावृष्टि, पाले और सूखे समेत प्रमुख जलवायु जोखिमों से अंगूर-बागों को सीधे बचाने के उपायों का संकेत मिलता है। फ्रांस में ऐसे निवेशों में ओलारोधी जाल, पाले से बचाव के उपकरण, नियमों के तहत अनुमत सिंचाई प्रणालियां और अंगूर-बागों में भौतिक नुकसान घटाने के लिए तैयार किए गए अन्य साधन शामिल हो सकते हैं।

Fabre ने मांगी गई सार्वजनिक सहायता की तुलना वाइन क्षेत्र के अन्य हिस्सों को पहले से दी गई मदद से की। उन्होंने बताया कि 2025 में अंगूर की बेलें उखाड़ने और वाइन के आसवन के लिए उपलब्ध कराई गई सहायता कुल €310 मिलियन थी। उनकी तुलना से संकेत मिला कि समूह की नजर में सरकार संरचनात्मक और जलवायु संबंधी दबावों के प्रभावों से निपटने पर पहले ही भारी खर्च कर रही है और इस नीति का एक हिस्सा रोकथाम की ओर मोड़ सकती है।

इसके आर्थिक दांव अंगूर उत्पादकों तक सीमित नहीं हैं। यदि अधिक अंगूर-बागों को सुरक्षा मिले और फसल की मात्रा में उतार-चढ़ाव कम हो, तो इससे उत्पादकों, व्यापारियों और निर्यातकों के लिए वाइन की आपूर्ति स्थिर करने में मदद मिल सकती है। खराब वर्षों में सार्वजनिक मुआवजा प्रणालियों पर दबाव भी कुछ कम हो सकता है। व्यापक पेय क्षेत्र, खासकर वाइन उद्योग के लिए, अधिक भरोसेमंद फसल से घरेलू उत्पादन की निरंतरता को सहारा मिल सकता है और फ्रांसीसी कंपनियों को विदेशों में बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने में मदद मिल सकती है। हालांकि, ये प्रभाव इस बात पर निर्भर करेंगे कि सुरक्षा उपाय कितने व्यापक स्तर पर लगाए जाते हैं और भविष्य में मौसम की घटनाएं कितनी गंभीर होती हैं।

Fabre ने इस मुद्दे को रणनीतिक संदर्भ में रखा। उन्होंने कहा कि अंगूर-बागों को बेहतर सुरक्षा मिलने से मुआवजे के लिए सरकार और राष्ट्रीय एकजुटता तंत्रों की जरूरत कम पड़ेगी, जबकि उत्पादक सुरक्षित फसल के जरिए बाजार हिस्सेदारी बचाने में अधिक सक्षम होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बार-बार जलवायु के झटकों से पैदावार घटने और एस्टेट की स्थिति कमजोर होने पर नौकरियां मौजूदा स्थिति के मुकाबले कम जोखिम में रहेंगी।

उनकी टिप्पणियों से पेरिस पर यह तय करने का दबाव बढ़ गया है कि वह ऐसे क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार है, जो कई ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं और फ्रांस की निर्यात छवि के लिए अब भी अहम है। Fabre ने कहा, “सरकार को वाइन क्षेत्र का समर्थन करने या उसे छोड़ देने में से एक चुनना होगा।” उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नीतियां जलवायु संबंधी अधिक बार होने वाले नुकसान के अनुरूप नहीं ढलीं, तो उद्योग पिछड़ने का जोखिम उठाएगा।